



बीईई समाचार पत्रिका

मासिक

बीईई ने ऊर्जा दक्षता एवं स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन पर चर्चा के लिए यूरोपीय संसद के आईटीआरडी प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की



यूरोपीय संसद के आईटीआरडी प्रतिनिधिमंडल के साथ बीईई अधिकारी, नई दिल्ली।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में भारत-यूरोपीय संघ सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों पर विचारों के आदान-प्रदान के लिए 23 सितंबर 2026 को यूरोपीय संसद की उद्योग, अनुसंधान एवं ऊर्जा समिति (आईटीआरडी) के एक प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की।

बैठक की अध्यक्षता बीईई के महानिदेशक श्री कृष्ण चंद्र पाणिग्राही तथा यूरोपीय संघ की ओर से अध्यक्ष एवं यूरोपीय संसद सदस्य माननीय श्री निकोलस गोंज़ालेज़ कसारेस ने की।

चर्चाओं में आपसी हित के प्रमुख क्षेत्र शामिल थे, जिनमें कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना (सीसीटीएस) तथा यूरोपीय संघ का कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (सीबीएएम) सम्मिलित हैं। प्रतिभागियों ने कार्बन बाजारों, कार्बन लेखांकन, मापन, रिपोर्टिंग एवं सत्यापन (एमआरवी) तंत्रों तथा संबंधित संस्थानों और हितधारकों के लिए कार्बन मूल्य निर्धारण मॉडलिंग ढाँचों में सहयोग के विकास एवं अवसरों पर विचार साझा किए।

बैठक में ऊर्जा दक्षता और त्वरित विद्युतीकरण पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा सेंटर और बढ़ती बिजली माँग से जुड़े उभरते अवसरों एवं चुनौतियाँ शामिल थीं। चर्चाओं में ऊर्जा दक्षता मानकों और उभरती प्रौद्योगिकियों को भी शामिल किया गया, जिनमें उपकरणों का मानक एवं लेबलिंग (एस एंड एल), मांग प्रतिक्रिया एवं मांग लचीलापन तथा ऊर्जा दक्षता के लिए डिजिटलीकरण और एआई का प्रयोग सम्मिलित हैं।

इस संवाद ने ऊर्जा दक्षता को आगे बढ़ाने तथा सतत, सुदृढ़ एवं निम्न-कार्बन ऊर्जा संक्रमण को समर्थन देने के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान, प्रौद्योगिकी सहयोग तथा सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने के महत्व को रेखांकित किया।

बीईई ने ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में भारत-यूरोपीय संघ सहयोग को सुदृढ़ करने तथा सतत एवं ऊर्जा दक्ष भविष्य की दिशा में साझा प्रयासों को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बीईई ने भारत के एलपीजी से बिजली की ओर परिवर्तन को गति देने हेतु कमर्शियल इलेक्ट्रिक कुकिंग समाधान प्रदर्शित किए



कमर्शियल इंडक्शन कुकिंग शोकेस एवं शेफ चैलेंज, नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथि।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 11 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में “भारत की इलेक्ट्रिक कुकिंग महत्वाकांक्षा को गति देना: प्रौद्योगिकी प्रदर्शन से वास्तविक उपयोग तक” विषय के अंतर्गत “कमर्शियल इंडक्शन कुकिंग शोकेस एवं शेफ चैलेंज” का आयोजन किया।

विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल, आईएएस ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा सात अग्रणी निमाताओं के कमर्शियल ई-कुकिंग उपकरणों एवं प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। बीईई के महानिदेशक श्री कृष्ण चंद्र पाणिग्राही ने मुख्य भाषण दिया।

कार्यक्रम में ऊर्जा दक्ष इलेक्ट्रिक कुकिंग को बढ़ावा देने के लिए नीति-निमाता, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, निमाता, प्रौद्योगिकी प्रदाता, शेफ, आतिथ्य क्षेत्र के हितधारक तथा कमर्शियल किचन संचालक एक साथ आए। सचिव ने ई-कुकिंग को अपनाने की गति बढ़ाने के प्रमुख कारकों के रूप में ऊर्जा सुरक्षा, एलपीजी की बढ़ती कीमतों और जागरूकता सृजन को रेखांकित किया।

महानिदेशक, बीईई ने विश्वसनीय ई-कुकिंग समाधान प्रदाताओं तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए प्रस्तावित गो इलेक्ट्रिक कमर्शियल इलेक्ट्रिक कुकिंग वेंडर डायरेक्टरी की घोषणा की तथा बताया कि बीईई कमर्शियल इंडक्शन हॉब के लिए मानक एवं लेबलिंग ढांचा विकसित करने की दिशा में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में कमर्शियल इंडक्शन शेफ चैलेंज भी आयोजित किया गया, जिसमें इंडक्शन प्रौद्योगिकी के कुकिंग प्रदर्शन, ताप नियंत्रण, उपयोग में सरलता और दक्षता का प्रदर्शन किया गया।

कार्यक्रम का समापन बीईई की समापन टिप्पणी के साथ हुआ, जिसमें भारत में ऊर्जा दक्ष इलेक्ट्रिक कुकिंग को अपनाने की गति बढ़ाने के लिए विद्युत मंत्रालय, क्लास्प (CLASP), निमाताओं, उद्योग संघों, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों तथा कमर्शियल रसोई संचालकों के साथ मिलकर कार्य करने की ब्यूरो की प्रतिबद्धता को दोहराया गया।



ऊर्जा दक्षता पर संवाद को व्यापक बनाने हेतु पटना में इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन



इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव – पूर्व क्षेत्र 2026, पटना में क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 6 सितंबर, 2026 को इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव – पूर्व क्षेत्र का आयोजन किया, जिसमें ऊर्जा दक्षता, संरक्षण और सतत जीवनशैली से जुड़े सार्वजनिक संवाद को सुदृढ़ करने के लिए डिजिटल क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स को एक मंच पर लाया गया।

पटना में आयोजित यह कॉन्क्लेव 14 दिसंबर को, ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर, आयोजित होने वाले 36वें राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेका) 2026 की पूर्व-पहल के रूप में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल क्रिएटर समुदाय की पहुंच और रचनात्मकता का लाभ उठाकर ऊर्जा दक्षता संबंधी संदेशों को नागरिकों के लिए अधिक सहज, प्रासंगिक और कार्यान्वयन योग्य बनाना है।

बीईई के महानिदेशक श्री के.सी. पाणिग्राही ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कॉन्क्लेव को संबोधित किया तथा ऊर्जा दक्षता और संरक्षण को आगे बढ़ाने में संचार एवं जन संवाद के महत्व को रेखांकित किया।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए महानिदेशक, बीईई ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण और दक्षता के लिए केवल नीतियां और प्रौद्योगिकी ही नहीं, बल्कि निरंतर जन संवाद भी आवश्यक है। उन्होंने कहा, “जब कोई संदेश सही तरीके से लोगों तक पहुंचता है, तो वह केवल जागरूकता ही नहीं पैदा करता; वह व्यवहार को भी प्रभावित करता है। देश में लाखों सक्रिय डिजिटल क्रिएटर्स के साथ, क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स में महत्वपूर्ण संदेशों को बड़े पैमाने पर और विविध दर्शकों तक पहुंचाने की क्षमता है।”

महानिदेशक ने प्रकाश डाला कि बीईई ने वर्ष 2025 में पहली बार नेका के अंतर्गत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स श्रेणी की शुरुआत की, जो जन व्यवहार को आकार देने और ऊर्जा के प्रति जागरूक जीवनशैली को बढ़ावा देने में डिजिटल मीडिया की बढ़ती भूमिका को मान्यता देती है। इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव 2026 क्षेत्रीय क्रिएटर्स को ऊर्जा दक्षता मुहिम से जोड़कर इसी पहल को आगे बढ़ाता है।

कॉन्क्लेव में नेका की विरासत और प्रभाव का अवलोकन, नेका पंजीकरण पोर्टल का प्रदर्शन तथा नेका 2025 के विजेताओं पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन किया गया। इसने इन्फ्लुएंसर्स को डिजिटल कंटेंट के माध्यम से ऊर्जा दक्षता पद्धतियों को संप्रेषित करने के तरीकों पर चर्चा के लिए एक इंटरैक्टिव मंच भी प्रदान किया।

कॉन्क्लेव में बीईई से मीडिया प्रबंधक श्री अजय त्रिपाठी, सहायक निदेशक श्री शैलेंद्र सिंह तथा श्री अनिल शर्मा उपस्थित थे, जिन्होंने भाग ले रहे इन्फ्लुएंसर्स और क्रिएटर्स के साथ ऊर्जा दक्षता और संरक्षण पर अधिक सार्वजनिक पहुंच और डिजिटल जुड़ाव के अवसरों पर संवाद किया।

चर्चाएं बीईई द्वारा वर्ष 2026 की इन्फ्लुएंसर्स श्रेणी के लिए चिह्नित पांच प्रमुख विषयों पर केंद्रित रहीं:

- स्मार्ट तरीके से खाना पकाएं। इंडक्शन अपनाएं।
- स्मार्ट कूलिंग – अपना एसी 24°C या उससे अधिक पर सेट करें।
- ऊर्जा दक्ष उपकरण चुनें।
- रोज़मर्रा के लिए स्मार्ट ऊर्जा विकल्प।
- इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी एवं सतत गतिशीलता)।

इन विषयों का उद्देश्य ऊर्जा दक्षता को रोज़मर्रा के निर्णयों और उपभोक्ता व्यवहार से जोड़ना है।

इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव 2026, क्रिएटर समुदाय के साथ बीईई के जुड़ाव का दूसरा वर्ष है और इसका उद्देश्य नागरिकों को मुहिम में सक्रिय भागीदार बनाकर ऊर्जा दक्षता पर संवाद को पारंपरिक जागरूकता अभियानों से आगे ले जाना है।

कॉन्क्लेव का समापन क्रिएटर्स से “संवाद रचें, विकल्पों को प्रेरित करें और परिवर्तन लाएं” का आह्वान करते हुए हुआ, ताकि वे भारत की अधिक ऊर्जा दक्ष एवं सतत भविष्य की यात्रा में योगदान दें।

पटना कॉन्क्लेव की गति को आगे बढ़ाते हुए, बीईई आने वाले सप्ताह में मुंबई में अगला इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव आयोजित करेगा। मुंबई कॉन्क्लेव, राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस 2026 तक चलने वाले बीईई के व्यापक संचार अभियान के भाग के रूप में, डिजिटल प्लेटफॉर्मों और क्षेत्रीय क्रिएटर नेटवर्कों के माध्यम से ऊर्जा दक्षता एवं संरक्षण संदेशों की पहुँच को और विस्तृत करेगा।

बीईई ने एमएसएमई में ADEETIE योजना को बढ़ावा देने के लिए स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन, जालना के साथ संवाद किया



ADEETIE हितधारक संवाद, जालना में बीईई अधिकारी और स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन के सदस्य।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने ADEETIE (उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों की तैनाती हेतु सहायता) योजना के प्रति जागरूकता एवं भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 9 सितंबर 2026 को कालिका स्टील एलाय प्रा. लि., अतिरिक्त एमआईडीसी, फेज-1, जालना, महाराष्ट्र में स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन, जालना के सदस्यों के साथ एक हितधारक संवाद आयोजित किया।

बैठक में ADEETIE पीएमयू-बीईई के श्री राहुल घुबे, कालिका स्टील एलाय प्रा. लि. के कार्यकारी निदेशक एवं स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन के सदस्य श्री गोविंद गोयल, कासलीवाल पावर कॉर्पोरेशन के निदेशक एवं स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन के सदस्य श्री पंकज कासलीवाल तथा मेसर्स अर्थेन एनर्जी के श्री नवीन चौधरी उपस्थित थे।

संवाद के दौरान बीईई दल ने योजना के उद्देश्यों, प्रमुख विशेषताओं, पात्रता मानदंडों, कार्यान्वयन ढांचे और लाभों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। प्रतिभागियों को पंजीकरण, ऊर्जा लेखापरीक्षकों को पैनलबद्ध करना, विस्तृत ऊर्जा लेखापरीक्षा, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना तथा ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों को अपनाने हेतु वित्त पोषण की सुविधा सहित संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

प्रतिभागियों ने एडीईटीआईई के अंतर्गत स्टील री-रोलिंग क्षेत्र की वर्तमान भागीदारी की भी समीक्षा की। बैठक के दौरान एडीईटीआईई वेब पोर्टल खोला गया तथा स्टील री-रोलिंग क्षेत्र से प्राप्त आवेदनों का विवरण प्रदर्शित कर समझाया गया, जिससे एसोसिएशन के सदस्य भागीदारी के वर्तमान स्तर और आवेदनों की स्थिति को समझ सकें।

एसोसिएशन के सदस्यों ने प्रस्तावित जागरूकता कार्यशाला के दौरान उद्योग-विशिष्ट केस स्टडी प्रदर्शित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने स्टील री-रोलिंग मिलों तथा अन्य एमएसएमई द्वारा ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों को सफलतापूर्वक अपनाने पर प्रस्तुतियां देने की अनुशंसा की, जिनमें निवेश, ऊर्जा बचत, लागत-वसूली अवधि, उत्पादकता में वृद्धि, परिचालन लाभ तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी को उजागर किया जाए। उनके अनुसार, ऐसे व्यावहारिक उदाहरण ऊर्जा दक्षता संबंधी उपायों की व्यवहार्यता प्रदर्शित करने तथा एडीईटीआईई के अंतर्गत अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने में सहायक होंगे।

एसोसिएशन के सदस्य पात्र इकाइयों को योजना की समीक्षा करने तथा एडीईटीआईई पोर्टल के माध्यम से अपनी रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) प्रस्तुत करने के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे।

हितधारक संवाद का समापन सकारात्मक नोट पर हुआ, जिसमें स्टील री-रोलिंग एसोसिएशन ने पात्र एमएसएमई को सहयोग देने तथा प्रस्तावित जागरूकता कार्यशाला के आयोजन में बीईई और एडीईटीआईई पीएमयू को सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की। इस जुड़ाव से आउटरीच सुदृढ़ होने तथा जालना स्टील री-रोलिंग क्लस्टर के एमएसएमई में ऊर्जा दक्ष प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी आने की अपेक्षा है।

हैदराबाद में ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता पर पांच दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम आयोजित



ए.एस.सी.आई., हैदराबाद में ईसीएसबीसी मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम (बैच I) के प्रतिभागियों।

विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 31 अगस्त से 04 सितंबर, 2026 तक एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई), हैदराबाद में ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता (ECSBC) – बैच पर पांच दिवसीय मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह कार्यक्रम ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता (ECSBC) 2024 तथा ईको निवास संहिता (ENS) 2024 की सुदृढ़ समझ रखने वाले योग्य पेशेवरों का एक समूह तैयार करने के उद्देश्य से बनाया गया है, जो क्षमता निर्माण में योगदान दे सकें तथा देशभर में ईसीएसबीसी के प्रभावी कार्यान्वयन में सहयोग कर सकें।

बीईई की निदेशक श्रीमती प्रवतनलिनी सामल ने 31 अगस्त 2026 को मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एएससीआई के ऊर्जा अध्ययन केंद्र (सीईएस) के निदेशक प्रो. राजकिरण वी. बिलोलीकर उपस्थित थे। कार्यक्रम में 29 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्रीमती सामल ने निर्मित पर्यावरण के क्षेत्र में बीईई की पहलों पर प्रकाश डाला तथा राज्यों एवं क्षेत्रों में ईसीएसबीसी के प्रभावी कार्यान्वयन को सुगम बनाने के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों एवं मास्टर ट्रेनरों का एक सुदृढ़ समूह विकसित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों तथा एएससीआई की टीम के साथ संवाद भी किया और प्रशिक्षण व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रम के कार्यान्वयन की समीक्षा की।

एएससीआई के दौरे के दौरान श्रीमती सामल ने प्रो. राजकिरण वी. बिलोलीकर के साथ राज्य स्तर पर ईसीएसबीसी के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने पर चर्चा की, जिसमें संबंधित हितधारकों के बीच संस्थागतकरण, समन्वय एवं क्षमता निर्माण पर विशेष ध्यान दिया गया।

01 सितंबर 2026 को श्रीमती सामल ने तेलंगाना नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (टीजीआरडीसीओ), हैदराबाद का दौरा किया, जहाँ उन्होंने टीजीआरडीसीओ के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (वीसी एंड एमडी) श्री मो. मुशर्रफ अली फारुकी, आईएसएस तथा महाप्रबंधक श्री जीएसवी प्रसाद के साथ चर्चा की। उन्होंने टीजीआरडीसीओ द्वारा विकसित एक भवन में सुपर ईसीबीसी प्रावधानों के कार्यान्वयन की भी समीक्षा की।

यह दौरा तथा मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम क्षमता निर्माण को सुदृढ़ करने तथा देश में ऊर्जा दक्ष, जलवायु-अनुकूल एवं सतत भवन पद्धतियों को बढ़ावा देने के बीईई के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।



बीईई ने इंदौर में भारत उदय प्रदर्शनी में भाग लिया



भारत उदय प्रदर्शनी, इंदौर में बीईई के स्टॉल पर आगंतुक।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 10 से 13 सितंबर 2026 तक इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित भारत उदय प्रदर्शनी में भाग लिया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री भास्कर लक्षकार, आईएस, आयुक्त, इंदौर संभाग द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान बीईई ने एडीईटीआईई, परफॉर्म, अचीव एंड ट्रेड (पैट), लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) तथा अन्य कार्यक्रमों पर जानकारीपूर्ण प्रदर्शन पैनलों के माध्यम से अपनी प्रमुख ऊर्जा दक्षता पहलों का प्रदर्शन किया। बीईई के स्टॉल पर ऊर्जा दक्षता, सतत पद्धतियों और ज़िम्मेदार ऊर्जा उपभोग को उजागर करने वाले जानकारीपूर्ण वीडियो भी प्रदर्शित किए गए।

इस सहभागिता ने आगंतुकों में बीईई के कार्यक्रमों तथा ऊर्जा दक्षता एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों के बारे में जागरूकता सृजित करने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान किया।

बीईई में हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, अनुवाद, श्रुतलेख तथा हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिताएं आयोजित

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) कार्यालय में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने सरकारी कामकाज में इसका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।

इन गतिविधियों के भाग के रूप में 17 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित बीईई कार्यालय में “हिंदी टिप्पण एवं आलेखन” प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में सरकारी टिप्पण और आलेख तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करना था। कुल 12 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऐसी पहलें भारत सरकार की



हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिता में भाग लेते बीईई के अधिकारी एवं कर्मचारी, नई दिल्ली।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुदृढ़ करने तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में योगदान देती हैं।

तत्पश्चात, हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 18 सितंबर 2026 को “अंग्रेज़ी-हिंदी अनुवाद” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अंग्रेज़ी में प्राप्त सामग्री का हिंदी में अनुवाद करने तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना था। भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, ‘क’ और ‘ख’ क्षेत्रों से अंग्रेज़ी में प्राप्त पत्रों और ई-मेल के उत्तर हिंदी में दिए जाने हैं। ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन राजभाषा संबंधी निर्देशों के अनुपालन को बढ़ावा देने तथा सरकारी कामकाज में हिंदी के व्यापक प्रयोग को प्रोत्साहित करने में सहायक होता है। कुल 21 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी पखवाड़े की गतिविधियों की निरंतरता में, 21 सितंबर 2026 को समूह-IV के कर्मचारियों के लिए “श्रुतलेख” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य समूह-IV के कर्मचारियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि विकसित करना तथा उन्हें हिंदी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। बीईई के कर्मचारियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऐसी प्रतियोगिताएं सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने तथा भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन में योगदान देती हैं।

इसके बाद, हिंदी पखवाड़े के भाग के रूप में 23 सितंबर 2026 को “हिंदी काव्य पाठ” प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कविता के माध्यम से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनके रचनात्मक एवं काव्य-लेखन कौशल को बढ़ावा देना था। कुल 18 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताएं 30 सितंबर 2026 तक जारी रहेंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से बीईई अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सरकारी कामकाज में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। प्रतियोगिताओं के मूल्यांकन के पश्चात, विजेता प्रतिभागियों को हिंदी पखवाड़े के समापन समारोह में पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा।

मुंबई में इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव – पश्चिम क्षेत्र 2026 आयोजित

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 13 सितंबर 2026 को मुंबई में इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव – पश्चिम क्षेत्र 2026 का आयोजन किया, जिसमें ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा संरक्षण और सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए महाराष्ट्र के इन्फ्लुएंसर्स और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को एक मंच पर लाया गया।

बीईई के महानिदेशक श्री कृष्ण चंद्र पाणिग्राही ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया तथा ऊर्जा दक्षता संबंधी संदेशों को सहज बनाने और व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने में डिजिटल क्रिएटर्स की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।



इन्फ्लुएंसर्स कॉन्क्लेव – पश्चिम क्षेत्र 2026, मुंबई में इन्फ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स

कॉन्क्लेव में बीईई के अधिकारी, जिनमें श्री अजय त्रिपाठी, श्री शैलेंद्र सिंह और श्री अनिल शर्मा शामिल थे, उपस्थित रहे और भाग ले रहे इन्फ्लुएंसर्स एवं क्रिएटर्स के साथ ऊर्जा दक्षता और संरक्षण पर अधिक सार्वजनिक पहुंच और डिजिटल जुड़ाव के अवसरों पर संवाद किया।

प्रतिभागियों को नेका 2026 के अंतर्गत सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एवं कंटेंट क्रिएटर्स (एसएमआईसीसी) श्रेणी के बारे में उसके विषयों और पंजीकरण प्रक्रिया सहित जानकारी दी गई। वर्ष 2025 में नेका के अंतर्गत आरंभ की गई इस पहल को अपने पहले वर्ष में 100 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई थीं।

मुंबई कॉन्क्लेव, 14 दिसंबर 2026 को प्रस्तावित 36वें राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार (नेका) 2026 से पूर्व क्रिएटर समुदाय के साथ बीईई के क्षेत्रीय जुड़ाव का हिस्सा है। कॉन्क्लेव का समापन क्रिएटर्स से अपने डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से ऊर्जा के प्रति जागरूक विकल्पों को बढ़ावा देने तथा भारत के ऊर्जा दक्ष भविष्य में योगदान देने के आह्वान के साथ हुआ।

बीईई ने गतिशील जम्मू-कश्मीर मेगा प्रदर्शनी 2.0 में भाग लिया



गतिशील जम्मू-कश्मीर मेगा प्रदर्शनी 2.0 में बीईई के स्टॉल पर ऊर्जा दक्षता संबंधी पहलों को प्रदर्शित किया गया।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई), विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार ने जम्मू में दिनांक 28 से 30 सितंबर, 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय गतिशील जम्मू और कश्मीर मेगा प्रदर्शनी 2.0 में भाग लिया। प्रदर्शनी का उद्घाटन जम्मू की अपर जिला मजिस्ट्रेट सुश्री अनसूया जामवाल, जेकेएस ने किया, जिन्होंने बीईई स्टॉल का दौरा किया और प्रदर्शित की गई पहलों और ऊर्जा-दक्ष समाधानों में गहरी रुचि ली।

बीईई स्टॉल में डिस्प्ले पैनेल और सूचना सामग्री शामिल थी, जिसमें अदिति (ADEETIE), पीएटी (निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार), एमएसएमई ऊर्जा दक्षता पहल, मानक और लेबलिंग (एसएंडएल) कार्यक्रम, मिशन लाइफ (LIFE) और इंडकशन कुकिंग आदि सहित प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला गया था।

दूसरे दिन, चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, जम्मू के अध्यक्ष श्री अरुण गुप्ता ने बीईई स्टॉल का दौरा किया और टीम के साथ बातचीत की। प्रदर्शनी के दौरान स्कूली छात्रों सहित 250 से अधिक आगंतुकों ने बीईई स्टॉल का दौरा किया। आगंतुकों को ऊर्जा संरक्षण, ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों और टिकाऊ प्रथाओं के बारे में जानकारी दी गई। एक आकर्षक और इंटरैक्टिव गतिविधि के माध्यम से जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए आगंतुकों, विशेष रूप से छात्रों के लिए ऊर्जा दक्षता और संरक्षण पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

बीईई की भागीदारी ने ऊर्जा दक्षता पर जानकारी का प्रसार करने और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच ऊर्जा-दक्ष और सतत प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान किया।

बीईई ने श्रीनगर में ईसीएसबीसी और ईएनएस को अपनाने और कार्यान्वयन पर क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया



श्रीनगर में आयोजित ईसीएसबीसी एवं ईएनएस क्षेत्रीय कार्यशाला में गणमान्य अतिथि और प्रतिभागी।

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने दिनांक 29 से 30 सितंबर, 2026 तक श्रीनगर में "ईसीएसबीसी और ईएनएस को अपनाना और लागू करना" विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में उत्तरी क्षेत्र के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञों और राज्य नामित एजेंसियों व संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उन्होंने ऊर्जा-दक्ष भवन कोड को लागू करने पर चर्चा की और अपने अनुभव, चुनौतियां और बेहतरीन तौर-तरीके साझा किए।

कार्यशाला का उद्घाटन जम्मू-कश्मीर के अपर मुख्य सचिव (विद्युत) श्री अश्विनी कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने सतत विकास प्राप्त करने में ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर जोर दिया और इस बात पर प्रकाश डाला कि ऊर्जा का संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है जिसके लिए समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है। उन्होंने घरों, कार्यालयों, उद्योगों और सार्वजनिक संस्थानों में ऊर्जा-दक्ष प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया और विद्युत के विवेकपूर्ण उपयोग और ऊर्जा की बर्बादी से बचने के बारे में अधिक जन जागरूकता पैदा करने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने जागरूकता और क्षमता निर्माण पहल के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने में बीईई और जम्मू-कश्मीर एसडीए की भूमिका की भी सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा-दक्ष प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को अधिक से अधिक अपनाने का आह्वान किया।

बीईई के महानिदेशक श्री कृष्ण चंद्र पाणिग्राही ने ईसीएसबीसी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए केंद्र-राज्य सहयोग, संस्थागत साइलेंस को तोड़ने और संचार को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और 2070 तक देश के नेट जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने में ऊर्जा दक्षता की महत्वपूर्ण भूमिका को भी रेखांकित किया।

गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, श्री संजय शर्मा, मुख्य विद्युत निरीक्षक और प्रमुख, एसडीए जम्मू-कश्मीर ने भवन निर्माण क्षेत्र की महत्वपूर्ण ऊर्जा-बचत क्षमता और इस क्षेत्र में ऊर्जा बचत को अधिकतम करने के लिए ईसीएसबीसी और ईएनएस के प्रभावी कार्यान्वयन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों को जम्मू-कश्मीर में किए जा रहे प्रमुख ऊर्जा-क्षेत्र सुधारों और पहलों के बारे में भी जानकारी दी।

कार्यशाला के दौरान, श्रीमती प्रभातनलिनी सामल, निदेशक, बीईई और डॉ. अभिषेक शर्मा, निदेशक, बीईई ने ईसीएसबीसी कार्यान्वयन, परीक्षण की जांच और बाजार निगरानी गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की। ऊर्जा-दक्षता कार्यक्रमों को लागू करने में राज्य नामित

एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए संभावित समाधानों, समर्थन तंत्र और रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया।

बीईई ने ईसीएसबीसी और अन्य भवन ऊर्जा-दक्षता पहलों को प्रभावी ढंग से अपनाने और कार्यान्वयन के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक तकनीकी सहायता और सहायता प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यशाला ने बीईई, राज्य नामित एजेंसियों और संबंधित विभागों के बीच समन्वय को और मजबूत किया और भवन निर्माण क्षेत्र में ऊर्जा-दक्षता उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा की सुविधा प्रदान की।

स्वच्छता शपथ और वृक्षारोपण अभियान के साथ मनाया गया स्वच्छता ही सेवा अभियान



स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान में बीईई के अधिकारी एवं कर्मचारी।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक मनाए जा रहे स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) अभियान में भाग लेते हुए 22 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित अपने कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई।

बीईई के महानिदेशक श्री कृष्ण चंद्र पाणिग्राही ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ शपथ ली और स्वच्छता, साफ-सफाई तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। शपथ में सामूहिक उत्तरदायित्व तथा स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के महत्व पर बल दिया गया।

अभियान के भाग के रूप में 23 सितंबर 2026 को नई दिल्ली स्थित बीईई के वेस्ट ब्लॉक-II कार्यालय में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया गया। बीईई के सचिव श्री अरिजीत सेनगुप्ता ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और कार्यालय परिसर में पौधे रोपे। इस पहल ने पर्यावरणीय स्थिरता, हरित स्थानों तथा अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण के निर्माण की दिशा में सामूहिक कार्रवाई के महत्व को रेखांकित किया।

बीईई में स्वच्छता ही सेवा अभियान 01 अक्टूबर 2026 तक विभिन्न स्वच्छता, पर्यावरण एवं जागरूकता गतिविधियों के साथ जारी रहेगा, जिसमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सक्रिय रूप से भाग लेने तथा स्वच्छता एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व को अपनी दैनिक गतिविधियों का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इन पहलों के माध्यम से बीईई, स्वच्छता ही सेवा अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप, अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच जागरूकता, स्वच्छता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सतत पद्धतियों को बढ़ावा देना जारी रखे हुए है।





BEE NEWSLETTER

MONTHLY

BEE Hosts European Parliament ITRE Delegation for Discussions on Energy Efficiency and Clean Energy Transition



BEE officials with the European Parliament's ITRE delegation, New Delhi.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, hosted a delegation of the European Parliament's Committee on Industry, Research and Energy (ITRE) on 23 September 2026 for an exchange of views on key areas of India–EU cooperation in energy efficiency and the clean energy transition.

The meeting was chaired by Shri Krushna Chandra Panigrahy, Director General, BEE, and Hon'ble Mr. Nicolás González Casares, Member of the European Parliament and Chair from the EU side.

The discussions covered key areas of mutual interest, including the Carbon Credit Trading Scheme (CCTS) and the European Union's Carbon Border Adjustment Mechanism (CBAM). Participants exchanged views on developments and opportunities for cooperation in carbon markets, carbon accounting, Measurement, Reporting and Verification (MRV) mechanisms, and carbon pricing modelling frameworks for relevant institutions and stakeholders.

The meeting also focused on energy efficiency and accelerated electrification, including the emerging opportunities and challenges associated with artificial intelligence (AI), data centres, and growing electricity demand. Discussions further covered energy efficiency standards and emerging technologies, including Standards & Labelling (S&L) of appliances, Demand Response and Demand Flexibility, and the application of digitalisation and AI for energy efficiency.

The interaction underscored the importance of knowledge exchange, technology cooperation, and sharing of best practices to advance energy efficiency and support a sustainable, resilient, and low-carbon energy transition.

BEE reaffirmed its commitment to strengthening India–EU cooperation in energy efficiency and clean energy transition and advancing shared efforts towards a sustainable and energy-efficient future.

BEE Showcases Commercial Electric Cooking Solutions to Accelerate India's Transition from LPG to Electricity



Dignitaries at the Commercial Induction Cooking Showcase & Chef Challenge, New Delhi.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, organised the “Commercial Induction Cooking Showcase & Chef Challenge” in New Delhi on 11 September 2026 under the theme “Accelerating India's Electric Cooking Ambition: From Technology Demonstration to Real-World Adoption.”

Shri Pankaj Agarwal, IAS, Secretary, Ministry of Power, graced the event as Chief Guest and inaugurated an exhibition showcasing commercial e-cooking appliances and technologies from seven leading manufacturers. Shri Krushna Chandra Panigrahy, Director General, BEE, delivered the keynote address.

The event brought together policymakers, PSUs, manufacturers, technology providers, chefs, hospitality stakeholders and commercial kitchen operators to promote energy-efficient electric cooking. The Secretary highlighted energy security, rising LPG prices and awareness creation as key drivers for accelerating e-cooking adoption.

DG, BEE announced the proposed Go Electric Commercial Electric Cooking Vendor Directory to facilitate access to credible e-cooking solution providers and informed that BEE is working with the Bureau of Indian Standards (BIS) towards developing a Standards & Labelling framework for commercial induction hobs.

The event also featured a Commercial Induction Chef Challenge, demonstrating the cooking performance, heat control, ease of use and efficiency of induction technology.

The event concluded with closing remarks from BEE, reiterating the Bureau's commitment to working with the Ministry of Power, CLASP, manufacturers, industry associations, public sector enterprises and commercial kitchen operators to accelerate the adoption of energy-efficient electric cooking across India.



Influencers' Conclave 2026 in Patna to Amplify Energy Efficiency Conversations



Creators and influencers at the Influencers' Conclave – East Region 2026, Patna.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), under the Ministry of Power, Government of India, organised the Influencers' Conclave – East Region on 6 September, 2026, bringing together digital creators and influencers to strengthen public conversations around energy efficiency, conservation and sustainable living.

The conclave, held in Patna, was organised as a precursor to the 36th National Energy Conservation Awards (NECA) 2026, scheduled to be held on December 14, Energy Conservation Day. The initiative seeks to leverage the reach and creativity of the digital creator community to make energy-efficiency messages more relatable, relevant and actionable for citizens.

BEE Director General, Shri K.C. Panigrahy, addressed the conclave through video conference, emphasising the importance of communication and public dialogue in advancing energy efficiency and conservation.

Addressing the gathering, the DG, BEE said that energy conservation and efficiency require not only policies and technology but also sustained public dialogue. "When a message reaches people in the right way, it does not merely create awareness; it influences behaviour. With millions of active digital creators in the country, creators and influencers have the ability to take important messages to large and diverse audiences," he said.

The DG highlighted that BEE introduced the Social Media Influencers and Content Creators category under NECA for the first time in 2025, recognising the growing role of digital media in shaping public behaviour and promoting energy-conscious lifestyles. The Influencers' Conclave 2026 builds on this initiative by connecting regional creators with the energy-efficiency movement.

The conclave featured an overview of the legacy and impact of NECA, a demonstration of the NECA registration portal and screening of videos featuring NECA 2025 winners. It also provided an interactive platform for influencers to discuss ways of communicating energy-efficiency practices through digital content.

The conclave was attended by Shri Ajay Tripathi, Media Manager, Shri Shailender Singh, Assistant Director and Shri Anil Sharma from BEE, who engaged with participating influencers and creators on opportunities for greater public outreach and digital engagement on energy efficiency and conservation.

The discussions focused on five key themes identified by BEE for the 2026 influencer category:

- Cook Smart. Switch to Induction.
- Cool Smart – Set Your AC at 24°C or above.
- Choose Energy-Efficient Appliances.
- Smart Energy Choices for Everyday.
- Electric Vehicle (EVs & Sustainable Mobility).

These themes are intended to connect energy efficiency with everyday decisions and consumer behaviour.

The Influencers' Conclave 2026 marks the second year of BEE's engagement with the creator community and aims to take the conversation on energy efficiency beyond conventional awareness campaigns by making citizens active participants in the movement.

The conclave concluded with a call for creators to “Create Conversations, Inspire Choices and Drive Change” and contribute to India's journey towards a more energy-efficient and sustainable future.

Building on the momentum of the Patna conclave, BEE will organise the next Influencers' Conclave in Mumbai in the coming week. The Mumbai conclave will further amplify the reach of energy-efficiency and conservation messages through digital platforms and regional creator networks, as part of BEE's wider communication campaign leading up to National Energy Conservation Day 2026.

BEE Engages Steel Re-rolling Association, Jalna to Promote ADEETIE Scheme Among MSMEs



BEE officials and Steel Re-rolling Association members at the ADEETIE stakeholder interaction, Jalna.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, held a stakeholder interaction with members of the Steel Re-rolling Association, Jalna on 9 September 2026 at Kalika Steel Alloys Pvt. Ltd., Additional MIDC, Phase-I, Jalna, Maharashtra, to promote awareness and participation in the ADEETIE (Assistance in Deploying Energy Efficient Technologies in Industries) Scheme.

The meeting was attended by Shri Rahul Ghube, ADEETIE PMU-BEE, along with Shri Govind Goyal, ED, Kalika Steel Alloys Pvt. Ltd. and Member, Steel Re-rolling Association; Shri Pankaj Kasliwal, Director, Kasliwal Power Corporation and Member, Steel Re-rolling Association; and Shri Navin Chaudhary, M/s Earthen Energy.

During the interaction, the BEE team made a detailed presentation on the objectives, key features, eligibility criteria, implementation framework and benefits of the scheme. The participants were briefed on the complete process, including registration, empanelment of Energy Auditors, detailed energy audits, preparation of Detailed Project Reports (DPRs) and facilitation of financing for adoption of energy-efficient technologies.

The participants also reviewed the current participation of the Steel Re-rolling sector under ADEETIE. During the meeting, the ADEETIE web portal was accessed and details of applications received from the Steel Re-rolling sector were displayed and explained, enabling the Association members to understand the current level of participation and status of applications.

The Association members emphasised the importance of showcasing industry-specific case studies during the proposed awareness workshop. They recommended presentations on successful adoption of energy-efficient technologies by Steel Re-rolling mills and other MSMEs, highlighting investment, energy savings, payback period, productivity gains, operational benefits and reduction in carbon emissions. Such practical examples, they noted, would help demonstrate the viability of energy-efficiency interventions and encourage greater participation under ADEETIE.

Association members will also encourage eligible units to review the scheme and submit their Expression of Interest (EOI) through the ADEETIE portal.

The stakeholder interaction concluded on a positive note, with the Steel Re-rolling Association expressing its willingness to support BEE and the ADEETIE PMU in mobilising eligible MSMEs and facilitating the proposed awareness workshop. The engagement is expected to strengthen outreach and accelerate the adoption of energy-efficient technologies among MSMEs in the Jalna Steel Re-rolling cluster.

Five-Day Master Trainer Programme on Energy Conservation and Sustainable Building Code Held in Hyderabad



Participants of the ECSBC Master Trainer Programme (Batch I) at ASCI, Hyderabad.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, organised a five-day Master Trainer Programme on Energy Conservation and Sustainable Building Code (ECSBC) – Batch I, from 31 August to 04 September 2026 at the Administrative Staff College of India (ASCI), Hyderabad.

The programme is designed to develop a pool of qualified professionals with a strong understanding of the Energy Conservation and Sustainable Building Code (ECSBC) 2024 and Eco Niwas Samhita (ENS) 2024, who can contribute to capacity building and support the effective implementation of ECSBC across the country.

Smt. Pravatanalini Samal, Director, BEE, inaugurated the programme on 31 August 2026 as the Chief Guest, in the presence of Prof. Rajkiran V. Bilolikar, Director, Centre for Energy Studies (CES), ASCI. The programme was attended by 29 participants.

Addressing the participants, Smt. Samal highlighted BEE's initiatives in the built environment and emphasised the importance of developing a strong pool of trained professionals and master trainers to facilitate the effective implementation of ECSBC across States and regions. She also interacted with the participants and the ASCI team and reviewed the training arrangements and programme implementation.

During her visit to ASCI, Smt. Samal held discussions with Prof. Rajkiran V. Bilolikar on strengthening the implementation of ECSBC at the State level, with a focus on institutionalisation, coordination and capacity building among relevant stakeholders.

On 01 September 2026, Smt. Samal visited the Telangana Renewable Energy Development Corporation Limited (TGREDCO), Hyderabad, where she held discussions with Mr. Md. Musharraf Ali Faruqui, IAS, Vice Chairman & Managing Director (VC&MD), TGREDCO, and Mr. GSV Prasad, General Manager, TGREDCO. She also reviewed the implementation of Super ECBC provisions in a building developed by TGREDCO.

The visit and the Master Trainer Programme underscore BEE's continued efforts towards strengthening capacity building and promoting energy-efficient, climate-responsive and sustainable building practices in the country.



BEE Participates in Bharat Uday Exhibition in Indore



Visitors at the BEE stall during the Bharat Uday Exhibition, Indore

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, participated in the Bharat Uday Exhibition, held from 10 to 13 September 2026 in Indore, Madhya Pradesh.

The exhibition was inaugurated by the Chief Guest, Shri Bhaskar Lakshakar, IAS, Commissioner, Indore Division.

During the event, BEE showcased its key energy-efficiency initiatives through informative display panels on ADEETIE, PAT (Perform, Achieve and Trade), LiFE (Lifestyle for Environment) and other programmes. The BEE stall also featured informative videos highlighting energy efficiency, sustainable practices and responsible energy consumption.

The participation provided an interactive platform to create awareness among visitors about BEE's programmes and India's efforts towards promoting energy efficiency and sustainable development.

Hindi Noting and Drafting, Translation, Dictation and Hindi Poetry Recitation Competitions Organised at BEE

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, is organising various competitions and activities as part of Hindi Fortnight, with the objective of promoting the use of Hindi language in the office and encouraging officers and employees to use it in their official work.

As part of these activities, the "Hindi Noting and Drafting" competition was organised on 17 September 2026 at the BEE office in New Delhi. The competition aimed to encourage officers and employees to prepare official notes and drafts in Hindi. A total of 12 officers and employees participated enthusiastically in the competition. Such initiatives contribute towards strengthening the implementation of the Government



BEE officers and employees participating in a Hindi Fortnight competition, New Delhi.

of India's Official Language Policy and promoting the use of Hindi in official work.

Subsequently, the "English-Hindi Translation" competition was organised on 18 September 2026 as part of Hindi Fortnight. The objective was to encourage officers and employees to translate material received in English into Hindi and promote the use of Hindi in official work. As per the directions issued by the Department of Official Language, Government of India, replies to letters and e-mails received in English from 'A' and 'B' regions are to be provided in Hindi. The organisation of such competitions helps in promoting compliance with Official Language-related directives and encouraging the wider use of Hindi in official work. A total of 21 officers and employees participated enthusiastically in the competition.

In continuation of the Hindi Fortnight activities, a "Dictation" competition was organised for Group IV employees on 21 September 2026. The objective was to develop interest in the Hindi language among Group IV employees and encourage them to use Hindi. Employees of BEE participated enthusiastically in the competition. Such competitions help promote the use of Hindi in official work and contribute towards the effective implementation of the Government of India's Official Language Policy.

Thereafter, a "Hindi Poetry Recitation" competition was organised on 23 September 2026 as part of Hindi Fortnight. The competition aimed to encourage officers and employees to express their thoughts through poetry and promote their creative and poetry-writing skills. A total of 18 participants took part enthusiastically in the competition.

Various Hindi competitions under Hindi Fortnight will continue until 30 September 2026. Through these activities, BEE is encouraging its officers and employees to make greater use of Hindi in official work. Following the evaluation of the competitions, the winning participants will be awarded and felicitated during the Hindi Fortnight closing ceremony.

Influencers' Conclave – West Region 2026 Held in Mumbai

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, organised the Influencers' Conclave – West Region 2026 on 13 September 2026 in Mumbai, bringing together influencers and digital content creators from Maharashtra to promote awareness on energy efficiency, energy conservation and sustainable living.

Shri Krushna Chandra Panigrahy, Director General, BEE, addressed the participants through video conference and highlighted the important role of digital creators in making energy-efficiency messages relatable and reaching wider audiences.



Influencers and content creators at the Influencers' Conclave – West Region 2026, Mumbai.

The conclave was attended by BEE officials, including Shri Ajay Tripathi, Shri Shailender Singh and Shri Anil Sharma, who engaged with participating influencers and creators on opportunities for greater public outreach and digital engagement on energy efficiency and conservation.

The participants were briefed about the Social Media Influencers and Content Creators (SMICC) category under NECA 2026, including its themes and registration process. The initiative, introduced under NECA in 2025, received more than 100 entries in its first year.

The Mumbai conclave is part of BEE's regional engagement with the creator community ahead of the 36th National Energy Conservation Awards (NECA) 2026, scheduled for 14 December 2026. The conclave concluded with a call to creators to use their digital platforms to promote energy-conscious choices and contribute to India's energy-efficient future.

BEE Participates in Gatisheel Jammu & Kashmir Mega Exhibition 2.0



BEE stall at the Gatisheel Jammu & Kashmir Mega Exhibition 2.0, featuring energy-efficiency initiatives

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, participated in the three-day Gatisheel Jammu & Kashmir Mega Exhibition 2.0, held from 28 to 30 September 2026 in Jammu. The exhibition was inaugurated by Ms. Ansuya Jamwal, JKAS, Additional District Magistrate, Jammu, who visited the BEE stall and took keen interest in the initiatives and energy-efficient solutions showcased.

The BEE stall featured display panels and information material highlighting key initiatives, including ADEETIE, PAT (Perform, Achieve and Trade), MSME energy efficiency initiatives, the Standards & Labelling (S&L) Programme, Mission LiFE and induction cooking etc.

On the second day, Shri Arun Gupta, President, Chamber of Commerce & Industry, Jammu, visited the BEE stall and interacted with the team. More than 250 visitors, including school students, visited the BEE stall during the exhibition. Visitors were briefed about energy conservation, energy-efficient technologies and sustainable practices. Quiz competitions on energy efficiency and conservation were also organised for visitors, particularly students, to promote awareness through an engaging and interactive activity.

BEE's participation provided an effective platform for disseminating information on energy efficiency and encouraging the adoption of energy-efficient and sustainable practices, particularly among the younger generation.

BEE Organises Regional Workshop on Adoption and Implementation of ECSBC and ENS in Srinagar



A two-day Regional Workshop on "Adoption and Implementation of ECSBC and ENS", organised by the Bureau of Energy Efficiency (BEE), was held from 29 to 30 September 2026 in Srinagar.

A two-day Regional Workshop on "Adoption and Implementation of ECSBC and ENS", organised by the Bureau of Energy Efficiency (BEE), was held from 29 to 30 September 2026 in Srinagar. The workshop brought together senior officials, experts and representatives from State Designated Agencies and concerned departments from various States and Union Territories of the northern region to deliberate on the implementation of energy-efficient building codes and share experiences, challenges and best practices.

The workshop was inaugurated by Shri Ashwani Kumar, Additional Chief Secretary (Power), J&K, as Chief Guest. Addressing the gathering, he emphasised the importance of energy efficiency and energy conservation in achieving sustainable development and highlighted that conservation of energy is a collective responsibility requiring the active participation of all sections of society. He stressed the need to adopt energy-efficient practices in homes, offices, industries and public institutions, and underlined the importance of creating greater public awareness regarding the judicious use of electricity and avoidance of energy wastage. He also appreciated the role of BEE and J&K SDA in promoting energy conservation through awareness and capacity-building initiatives and called for greater adoption of energy-efficient technologies and practices across different sectors.

Shri Krushna Chandra Panigrahy, Director General, BEE, emphasised the importance of Centre-State collaboration, breaking institutional silos and strengthening communication for effective implementation of ECSBC. He also underlined the critical role of energy efficiency in strengthening India's energy security and achieving the country's Net Zero target by 2070.

Welcoming the dignitaries and participants, Shri Sanjay Sharma, Chief Electrical Inspector and Head, SDA J&K, highlighted the significant energy-saving potential of the building sector and the importance of effective implementation of ECSBC and ENS for maximising energy savings in the sector. He also briefed the participants on key energy-sector reforms and initiatives being undertaken in J&K.

During the workshop, Smt. Pravatanalini Samal, Director, BEE, and Dr. Abhishek Sharma, Director, BEE, reviewed the progress of ECSBC implementation, check testing and market surveillance activities. The challenges being faced by State Designated Agencies in implementing energy-efficiency programmes were discussed, with participants sharing their experiences and deliberating on possible solutions, support mechanisms and strategies for strengthening implementation.

BEE reiterated its commitment to providing necessary technical assistance and support to States and Union Territories for the effective adoption and implementation of ECSBC and other building energy-efficiency initiatives. The workshop further strengthened coordination among BEE, State Designated Agencies and concerned departments and facilitated discussions on effective implementation of energy-efficiency measures in the building sector.

Swachhata Hi Seva Campaign Marked Through Swachhata Pledge and Plantation Drive



BEE officials and employees at the plantation drive under the Swachhata Hi Seva campaign.

The Bureau of Energy Efficiency (BEE), Ministry of Power, Government of India, participated in the Swachhata Hi Seva (SHS) campaign, being observed from 17 September to 2 October 2026, by administering the Swachhata Pledge to its officials and employees at its office in New Delhi on 22 September 2026.

Shri Krushna Chandra Panigrahy, Director General, BEE, along with senior officials and employees, took the pledge and reaffirmed their commitment to cleanliness, hygiene and maintaining a clean and healthy workplace. The pledge emphasised the importance of collective responsibility and active participation in cleanliness-related activities.

As part of the campaign, a plantation drive was organised at BEE's West Block-II office in New Delhi on 23 September 2026. Shri Arijit Sengupta, Secretary, BEE, along with senior officials and employees, participated in the plantation drive and planted saplings within the office premises. The initiative highlighted the importance of environmental sustainability, green spaces and collective action towards creating a cleaner and healthier environment.

The Swachhata Hi Seva campaign at BEE will continue with various cleanliness, environmental and awareness activities up to 01 October 2026, encouraging officials and employees to actively participate and adopt cleanliness and environmental responsibility as an integral part of their daily activities.

Through these initiatives, BEE continues to promote awareness, cleanliness, environmental responsibility and sustainable practices among its officials and employees, in line with the objectives of the Swachhata Hi Seva campaign.

